बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-07
04/01/2025

मुख्यमंत्री ने गोपालगंज जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की

- समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने की कई महत्वपूर्ण घोषणायें

पटना, 04 जनवरी 2025 :– प्रगति यात्रा के दूसरे चरण के दौरान मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज गोपालगंज जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं के संबंध में गोपालगंज समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में समीक्षात्मक बैठक की। समीक्षात्मक बैठक में गोपालगंज जिला के जिलाधिकारी श्री प्रशांत कुमार सी0एच0 ने गोपालगंज जिले के विकास कार्यों का प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, कुशल युवा कार्यक्रम, हर घर नल का जल एवं उनका अनुरक्षण, हर घर तक पक्की गली–नाली, मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, हर खेत तक सिंचाई का पानी, कृषि फीडर का निर्माण, मुख्यमंत्री कृषि विद्युत कनेक्शन योजना, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, उच्चतर शिक्षा हेतु महिलाओं को प्रोत्साहन, स्वास्थ्य उपकेंद्र में टेली मेडिसीन के माध्यम से चिकित्सा परामर्श, पशु चिकित्सा सेवाओं की डोर स्टेप डिलीवरी एवं पंचायत सरकार भवन के निर्माण की अद्यतन स्थिति के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा हर पंचायत में 10+2 विद्यालय, ग्राम पंचायत, नगर पंचायत में खेल–कूद को बढ़ावा देने हेतु स्पोर्ट्स क्लब का गठन, प्रत्येक पंचायत में खेल का मैदान, मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना (अवशेष), मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों का गठन, राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता, दाखिल खारिज/परिमार्जन/परिमार्जन प्लस एवं जल–जीवन–हरियाली के तहत जीर्णोद्धार कराए गए सार्वजनिक कुओं, पोखर तथा तालाबों की अद्यतन स्थिति के संबंध में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष जनप्रतिनिधियों ने अपने–अपने क्षेत्र की समस्याएं भी रखीं।

समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बैठक में जनप्रतिनिधियों ने जो भी समस्याएं रखी हैं, उनका जल्द से जल्द निराकरण करें। 24 नवंबर, 2005 से बिहार के लोगों ने हमलोगों को काम करने का मौका दिया। उस समय से हमलोग बिहार के विकास के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। सभी क्षेत्रों और सभी वर्गों के लिए लगातार विकास का काम किया जा रहा है। वर्ष 2005 से पहले बिहार की हालत काफी खराब थी। शाम के बाद लोग अपने घरों से बाहर निकलने में डरते थे। अस्पतालों में इलाज का इंतजाम नहीं था, सड़कें जर्जर थीं। शिक्षा की हालत ठीक नहीं थी। प्रायः हिन्दू–मुस्लिम के बीच विवाद की खबरें आती थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब बिहार के लोगों ने हमलोगों को काम करने का मौका दिया, तब से बिहार की स्थिति बदली है। हर क्षेत्र में विकास के काम किए जा रहे हैं। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया है। हमलोग मिलकर लगातार बिहार को आगे बढ़ा रहे हैं। हम दो बार गलती से इधर से उधर चले गए थे। अब हमलोग हमेशा साथ रहेंगे और बिहार के साथ देश का विकास करेंगे। वर्ष 2006 से

हमलोगों ने कब्रिस्तानों की घेराबंदी शुरू कराई। अब तक 8 हजार से अधिक कब्रिस्तानों की घेराबंदी करा दी गई है और शेष बचे कब्रिस्तानों की घेराबंदी कराई जा रही है और इस काम को भी जल्द पूरा कर लिया जायेगा। हमलोगों ने देखा कि मंदिरों से मूर्ति चोरी की घटनाएं हो रही हैं। इसको देखते हुए मंदिरों की चहारदीवारी के निर्माण का निर्णय लिया गया ताकि मंदिरों में चोरी की घटनाएं न हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संपूर्ण बिहार में विकास का काम हमलोग करा रहे हैं। बिहार का कोई भी इलाका विकास से अछूता नहीं है। हमलोगों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पुल–पुलिया के निर्माण का काम बड़े पैमाने पर कराया है जिसके कारण बिहार के किसी भी कोने से पहले 6 घंटे में लोग पटना पहुंचते थे, अब उसे घटाकर 5 घंटे किया गया है। इसके लिए हर प्रकार से काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2006 से सरकारी विद्यालयों में पढ़नेवाले बच्चों के लिए पोशाक योजना की शुरुआत की गई। वर्ष 2009 से लड़कियों के लिए साइकिल योजना, वर्ष 2010 से लड़कों के लिए भी साइकिल योजना, बड़े पैमाने पर नियोजित शिक्षकों की बहाली, स्कूल भवनों का निर्माण कराकर शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने का प्रयास किया गया है। बड़ी संख्या में सरकारी शिक्षकों की बहाली की जा रही है। नियोजित शिक्षकों को परीक्षा के माध्यम से सरकारी मान्यता प्रदान की जा रही है। पहले काफी कम संख्या में लड़कियां पढ़ने जाती थीं। लड़कियों को जब साइकिल दी गई तो वे स्कूल समय पर जाने लगीं और साथ ही शाम में अपने माता–पिता को भी बाजार ले जाती हैं। यह दृश्य काफी अच्छा लगता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक माह में सिर्फ 39 मरीज इलाज कराने जाते थे। अब 1 माह में औसतन 11 हजार से अधिक मरीज इलाज कराने पहुंच रहे हैं। पहले बिहार में सिर्फ 6 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे। अब उनकी संख्या बढ़कर 11 हो गई है। सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। हर घर नल का जल, हर घर पक्की गली एवं नाली का निर्माण, हर घर शौचालय, हर घर तक बिजली का कनेक्शन जैसी मूलभूत सुविधाएं लोगों तक पहुंचा दी गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, इसके तहत अब तक 4 चुनाव हो गए हैं। बड़ी संख्या में महिलाएं चुनकर आई हैं। हमलोगों ने महिलाओं के उत्थान के लिए हर प्रकार से काम किया है। वर्ष 2013 में पुलिस की बहाली में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, जिसका नतीजा है कि बिहार पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी काफी बढ़ी है। वर्ष 2016 से हमलोगों ने सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया। पहले बिहार में स्वयं सहायता समूहों की संख्या काफी कम थी। हमलोगों ने वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर स्वयं सहायता समूहों की संख्या बढ़ाने का काम शुरू किया। बिहार में अब स्वयं सहायता समूहों की संख्या 10 लाख 61 हजार हो गई है जिनसे 1 करोड़ 31 लाख जीविका दीदियां जुड़ी हैं। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं का नाम जीविका दीदी हमलोगों ने ही दिया है, जिससे प्रेरित होकर उस समय की केंद्र सरकार ने भी इसे अपनाया और उसका नाम आजीविका दिया। हमलोगों के काम का असर पूरे देश पर पड़ता है। बिहार में अब शहरी क्षेत्रों में भी स्वयं सहायता समूहों का गठन शुरू कराया गया है, जिनमें अब तक 26 हजार जीविका दीदियां जुड़ी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2020 तक हमलोगों ने 8 लाख लोगों को सरकारी नौकरी प्रदान कर दी थी। उसके बाद हमलोगों ने 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसे बढ़ाकर 12 लाख किया गया है। अब तक 9 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दे दी गई है। इसके अलावे 10 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य

निर्धारित किया गया था। अब तक 24 लाख लोगों को रोजगार मुहैया कराया गया है। वर्ष 2025 में 12 लाख लोगों को सरकारी नौकरी तथा 34 लाख लोगों को रोजगार मुहैया करा दिया जाएगा। हमलोगों ने सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम किया है। मदरसों को सरकारी मान्यता दी गई है। हमलोगों ने बिहार में जाति आधारित गणना कराई जिसमें 94 लाख गरीब परिवारों को चिह्नित किया गया है, जो हर जाति से जुड़े हैं। ऐसे गरीब परिवारों को प्रति परिवार 2 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है ताकि वे अपना जीविकोपार्जन कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने आज ही गोपालगंज जिले में विभिन्न विकास कार्यों का स्थल पर जाकर जायजा लिया। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी ली। लोगों की समस्याएं सुनीं। इस बैठक में भी जनप्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं बताई हैं, उसका समाधान किया जाएगा। गोपालगंज जिले के विकास के लिए सभी कार्य किए जा रहे हैं। अगर कहीं कोई और समस्या होती है तो जानकारी दें उसका समाधान किया जाएगा। हमने जिलाधिकारी को कहा है कि किसी भी समस्या का तत्काल समाधान करें। गड़बड़ करनेवाले लोगों पर नजर रखें। हम सबके हित के लिए काम करते हैं किसी की उपेक्षा नहीं करते हैं। केंद्र सरकार भी राज्य के विकास के लिए सहयोग कर रही है। विभिन्न क्षेत्रों के लिए कई योजनाएं चलाकर बिहार को मदद कर रही है। हम लोगों के लिए शुरू से काम करते रहे हैं और करते रहेंगे। हमसब मिलकर बिहार के विकास के लिए काम करते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने नववर्ष के अवसर पर सबको अपनी शुभकामनाएं भी दी।

गोपालगंज जिले में लोगों की मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण घोषणायें

- गन्ना किसानों की मांग है कि उन्हें गन्ने के अच्छे दाम दिये जायें। हमने निर्णय लिया है कि गन्ने के दाम में 20 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी की जायेगी। इसमें से 10 रु० प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी की जा चुकी है। शेष 10 रु0 प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी और की जायेगी जिसका खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।
- भ्रमण के दौरान उचकागांव प्रखंड के सलेमपट्टी गांव में लोगों ने आवागमन की समस्या के बारे में बताया। इसके निराकरण के लिए मीरगंज बाजार के बाईपास का निर्माण कराया जायेगा। इससे जिले के विजयीपुर, भोरे, कटेया, फुलवरिया एवं पंचदेवरी प्रखंडों के लगभग 10 लाख लोगों को जिला मुख्यालय आने–जाने में काफी सुविधा होगी। साथ ही मीरगंज बाजार में जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी।
- भ्रमण के दौरान तुरकाहा गाँव में लोगों ने जाम की गंभीर समस्या बताई। इसके निराकरण के लिए एन0एच0– 27 से, ग्राम भोजपुरवा से तुरकाहा एन0एच0–531 तक गोपालगंज बाईपास का निर्माण कराया जायेगा। इसके निर्माण से गोपालगंज जिले का रिंग रोड पूरा हो जायेगा। किसानों द्वारा गन्ना ढुलाई के कारण उत्पन्न होनेवाली जाम की समस्या से निजात मिलेगी एवं अस्पताल आने–जाने वाले मरीजों को भी सुविधा होगी।
- सारण तटबंध के बिन्दु 120 कि०मी० से 152 कि०मी० तक सुदृढ़ीकरण एवं पक्कीकरण किया जायेगा। इससे बाढ़ संबंधित सुरक्षात्मक कार्यों में सुविधा होगी। साथ ही लोगों को आवागमन में भी सुविधा होगी।
- हाल में कटेया औद्योगिक क्षेत्र में मैंने मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट का शिलान्यास किया था जहाँ वाहनों के आवागमन की समस्या है। इसके निराकरण के लिए कटेया औद्योगिक

क्षेत्र के विकास हेतु चिन्हित स्थल को विजयीपुर देवरिया सड़क से जोड़ने हेतु बाईपास सड़क का निर्माण किया जायेगा। इससे बड़े वाहनों का परिचालन सुगम होगा एवं आमजनों को आवागमन में सुविधा होगी।

- उचकागाँव प्रखंड के अंतर्गत नवादा परसौनी से डुमरिया गाँव के बीच दाहा नदी पर पुल का निर्माण किया जायेगा, इससे लोगों को पूरे वर्ष आने–जाने में सुविधा होगी।
- माँ थावे मंदिर का विकास एवं सौंदर्यीकरण किया जायेगा। यह काफी पुराना प्रसिद्ध मंदिर है। इसके निर्माण से मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी एवं पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।
- बाँकरपुर (सारण) से डुमरिया घाट (गोपालगंज) फोरलेन सड़क का निर्माण किया जायेगा। इससे लोगों को पटना जाने में काफी सुविधा होगी।

समीक्षा बैठक में गोपालगंज जिला के जिलाधिकारी प्रशांत कुमार सी0एच0 ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिह्न और हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया।

गोपालगंज समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में आयोजित समीक्षात्मक बैठक में विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव उपस्थित थे, जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अन्य विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव जुड़े हुए थे।

समीक्षा बैठक के दौरान उप मुख्यमंत्री सह पथ मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री श्री सुनील कुमार, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री श्री जनक राम, गन्ना उद्योग मंत्री सह गोपालगंज जिले के प्रभारी मंत्री श्री कृष्णनंदन पासवान, सांसद डॉ0 आलोक कुमार सुमन, विधायक श्री अमरेंद्र कुमार पांडेय, विधायक श्रीमती कुसुम देवी, विधायक श्री रामप्रवेश राय, विधान पार्षद डॉ0 विरेंद्र नारायण यादव, विधान पार्षद श्री राजीव कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, विकास आयुक्त श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, मुख्यालय श्री कुंदन कृष्णन, अपर पुलिस महानिदेशक, सुरक्षा श्री अमृत राज, विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, गोपालगंज जिला के जिलाधिकारी प्रशांत कुमार सी0एच0, गोपालगंज जिला के पुलिस अधीक्षक श्री अवधेश दीक्षित सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

******